International Journal for Research Trends in Social Science & Humanities
Volume 4, Issue 2
Mar-Apr 2026, PP 1-4

# महिला एवं पुरुष पुलिसकर्मियों के साधनात्मक सामाजिक समर्थन का तुलनात्मक अध्ययन

**रवि शंकर वर्मा**
वरिष्ठ सहायक प्रोफेसर,मनोविज्ञान विभाग, पी.जी.कॉलेज,गाज़ीपुर

**सार:** इस अध्ययन का उद्देश्य महिला एवं पुरुष पुलिसकर्मियों के साधनात्मक सामाजिक समर्थन का तुलनात्मक अध्ययन करना था | इस अध्ययन के लिए सामाजिक समर्थन मापनी का उपयोग किया गया | न्यादर्श 300 पुलिसकर्मियों (150 पुरूष पुलिसकर्मी एवं 150 महिला पुलिसकर्मी ) का था | प्राप्त प्रदत्तों को उपयुक्त सांख्यिकीय विधियों मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक - अनुपात की सहायता से विश्लेषण किया गया | महिला एवं पुरूष पुलिसकर्मियों के साधनात्मक सामाजिक समर्थन प्राप्तांकों में सार्थक अंतर पाया गया |

**मुख्य संप्रत्यय :** महिला पुलिसकर्मी एवं पुरूष पुलिसकर्मी, साधनात्मक सामाजिक समर्थन

## I. परिचय

POLICE (Public officer for legal investigations and criminal emergencies) कानूनी जाँच और आपराधिक आपात स्थिति के लिए सार्वजनिक अधिकारी समाज के भीतर सुरक्षा की भावना को बढ़ावा देने में महत्पूर्ण भूमिका निभाते हैं | पुलिस राज्य द्वारा सशक्त व्यक्तियों का एक गठित निकाय है, जिसका उद्देश्य कानून को लागू करना, नागरिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं सम्पति सुनिश्चित करना तथा अपराध और नागरिक अव्यस्था को रोकना है |पुलिस की वैध शक्तियों में गिरफ़्तारी और हिंसा पर एकाधिकार के माध्यम से राज्य द्वारा वैध बल का उपयोग शामिल है |

किसी देश की राजनीतिक संस्कृति यह निर्धारित करने में मदद करती है कि उसके पुलिस बल राष्ट्रीय स्तर पर या स्थानीय स्तर पर संगठित हैं या नहीं |

पुलिसकर्मियों में महिलायों का प्रतिशत छोटा लेकिन बढ़ता जा रहा है | शपथ लेने वाली महिला पुलिस अधिकारियों का राष्ट्रीय औसत लगभग 13% है जो 1970 के दशक में केवल ३% था |

सौभाग्य से अधिक महिला अधिकारियों की भर्ती, प्रशिक्षण और पदोन्नति के लाभों को अब देश भर की एजेंसियों और कानून प्रवर्तन संघो द्वारा मान्यता दी जा रही है | द अटलांटिक के एक लेख के अनुसार, "महिला पुलिस अधिकारियों द्वारा अत्यधिक बल का उपयोग करने की संभावना कम होती है| वे पुरुषों की बहुत कम बार मुकदमों में प्रतिवादी होती हैं, जिससे नगरपालिकाओं को कानूनी शुल्क में लाखों की बचत होती हैं |"

सामाजिक समर्थन से तात्पर्य व्यक्तियों को तनाव से निबटने में मदद करने के लिए सामाजिक नेटवर्क द्वारा प्रदान किए गए मनोवैज्ञानिक एवं भौतिक संसाधनों से है | ऐसा सामाजिक समर्थन विभिन्न रूपों में आ सकता है –

- किसी व्यक्ति के बीमार होने पर उसे विभिन्न दैनिक कार्यों में मदद करना या जरुरत पड़ने पर वित्तिय सहायता प्रदान करना |

International Journal for Research Trends in Social Science & Humanities
Volume 4, Issue 2
Mar-Apr 2026, PP 1-4

- जब कोई मित्र किसी कठिन परिस्थिति का सामना कर रहा हो तो उसे सलाह देना।
- जरूरतमंद प्रियजनों के लिए देखभाल, सहानुभूति और चिंता प्रदान करना।

साधनात्मक सामाजिक समर्थन एक प्रकार का सामाजिक समर्थन है जहाँ व्यक्ति को शारीरिक या मूर्त तरीकों से मदद मिलती है। यह सक्रिय समर्थन का एक रूप है जो तनाव को कम कर सकता है और मानवीय रिश्तों में इसे आवश्यक माना जाता है।

## II. अध्ययन का महत्त्व

महिला एवं पुरूष पुलिसकर्मियों के साधनात्मक सामाजिक समर्थन का तुलनात्मक अध्ययन करके प्रस्थिति से जुड़ी समस्यायों के विषय में विस्तृत ज्ञान उपलब्ध कराना महत्वपूर्ण कार्य है। प्राप्त ज्ञान एवं परिणाम के आधार पर महिला एवं पुरूष पुलिसकर्मियों की समस्यायों के समाधान से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध होगी।

## III. समस्याभिकथन

महिला एवं पुरूष पुलिसकर्मियों के साधनात्मक सामाजिक समर्थन का तुलनात्मक अध्ययन।

**शोध अध्ययन के उद्देश्य** - अध्ययन के उद्देश्य निम्नवत हैं –

1. महिला एवं पुरूष पुलिसकर्मियों के साधनात्मक सामाजिक समर्थन एवं उसके प्रभाव का निर्धारण किया जायेगा।
2. महिला एवं पुरूष पुलिसकर्मियों के सामाजिक समस्यायों के समाधान के उत्तम उपाय मिल सकते हैं।

**उपकल्पना** - महिला एवं पुरूष पुलिसकर्मियों के साधनात्मक सामाजिक समर्थन प्राप्तांकों में सार्थक भिन्नता प्रदर्शित होगी।

**अध्ययन की सीमायें** –

1. अध्ययन में सिर्फ तीन मंडलों आजमगढ़, वाराणसी, एवं लखनऊ से पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया।
2. यह शोध कार्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के सीमित न्यादर्श पर किया गया।
3. शोध अध्ययन में शामिल पुलिसकर्मियों आयु सीमा निर्धारित नहीं थी।

**अध्ययन पद्धति** –

**शोध अभिकल्प** – प्रस्तुत अध्ययन के लिए “प्रयोगात्मक शोध अभिकल्प” का उपयोग किया गया है।
**न्यादर्श** – प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु उत्तर प्रदेश के तीन मंडलों वाराणसी, आजमगढ़, एवं लखनऊ से “स्तरीकृत यादृच्छिक न्यादर्श“ विधि की सहायता से 150 पुरूष एवं 150 महिला पुलिसकर्मियों का चयन किया गया।

**मापनी** – डॉ मधु अस्थाना, भूतपूर्व प्राचार्या, श्री अग्रसेन गर्ल्स पी. जी. कॉलेज, वाराणसी एवं डॉ किरण बाला वर्मा, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग, हरिश्चंद्र पी. जी. कॉलेज वाराणसी द्वारा निर्मित "सामाजिक समर्थन मापनी" का उपयोग किया गया | इस मापनी में कुल 35कथन हैं | यह एक विश्वसनीय एवं वैध मापनी है |

**चर** – स्वतंत्र चर - लिंग (Gender)
आश्रित चर - साधनात्मक सामाजिक समर्थन

**प्रदत्त संग्रह** – शोधार्थी द्वारा उत्तर प्रदेश के तीन मंडलों आजमगढ़, वाराणसी, बलिया, गाजीपुर, लखनऊ से प्रतिदर्श का चयन किया गया तथा उनसे आंकणों को संग्रहित किया गया एवं निर्देशिका की सहायता से फलांकन किया गया |

## IV. प्रद्दत विश्लेषण एवं सांख्यिकी

प्रस्तुत शोध अध्ययन से प्राप्त प्रद्दतों का क्रमबद्ध सारणीयन करके उपयुक्त सांख्यिकीय विधियों मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रांतिक-अनुपात की सहायता से सांख्यिकीय विश्लेषण किया गया |

## V. परिणाम

परिणाम तालिका निम्न प्रकार से है –

**महिला एवं पुरूष पुलिसकर्मियों के साधनात्मक सामाजिक समर्थन प्राप्तांकों का मध्यमान मानक विचलन एवं क्रांतिक अनुपात**

| आश्रित चर | स्वतंत्र चर | सहभागियों की संख्या | मध्यमान | मानक विचलन | क्रांतिक अनुपात | सार्थकता स्तर |
|---|---|---|---|---|---|---|
| साधनात्मक सामाजिक समर्थन | पुरूष | 150 | 22.65 | 4.60 | 2.19 | 0.05 |
| | महिला | 150 | 23.79 | 4.43 | | |

**व्याख्या** – उपरोक्त तालिका के अवलोकन से स्पष्ट है कि पुरूष पुलिसकर्मियों के साधनात्मक सामाजिक समर्थन प्राप्तांकों का मध्यमान = 22.65 एवं मानक विचलन = 4.60 महिला पुलिसकर्मियों के प्राप्तांकों के मध्यमान = 23.79 एवं मानक विचलन = 4.43 में भिन्नता प्रदर्शित हो रही है | इनके मध्य क्रांतिक-अनुपात = 2.19 प्राप्त हुआ है | अतः पुरूष पुलिसकर्मियों के साधनात्मक सामाजिक समर्थन प्राप्तांक, महिला पुलिसकर्मियों की तुलना में सार्थक रूप से भिन्न है अर्थात दोनों के साधनात्मक सामाजिक समर्थन प्राप्तांकों में सार्थक भिन्नता पायी गयी | इस प्रकार निर्धारित अध्ययन की उपकल्पना - 1 "महिला एवं पुरूष पुलिसकर्मियों के साधनात्मक सामाजिक समर्थन प्राप्तांकों में सार्थक भिन्नता प्रदर्शित होगी" स्वीकृत होती है |

महिला एवं पुरूष पुलिसकर्मियों के साधनात्मक सामाजिक समर्थन प्राप्तांकों के मध्य सार्थक अंतर पाया गया, इसका कारण यह हो सकता है कि इनके बीच सार्थक अंतर पाया जाता हो |

International Journal for Research Trends in Social Science & Humanities
Volume 4, Issue 2
Mar-Apr 2026, PP 1-4

जिस प्रकार का साधनात्मक सामाजिक समर्थन पुरूष पुलिसकर्मियों को प्राप्त होता है उसी रूप एवं मात्रा में महिला पुलिसकर्मियों को नहीं प्राप्त होता है | इसी कारण महिला एवं पुरूष पुलिसकर्मियों के साधनात्मक सामाजिक समर्थन प्राप्तांकों में सार्थक अंतर मिला |

साधनात्मक सामाजिक समर्थन एक प्रकार का सामाजिक समर्थन है जहाँ व्यक्ति को शारीरिक या मूर्त तरीकों से मदद मिलती है | यह सक्रिय समर्थन का एक रूप है और मानवीय रिश्तों में इसे आवश्यक माना जाता है |

## VI. निष्कर्ष

महिला एवं पुरूष पुलिसकर्मियों के साधनात्मक सामाजिक समर्थन प्राप्तांकों में सार्थक सांख्यिकीय अंतर पाया गया | साधनात्मक सामाजिक समर्थन मापनी के प्राप्तांकों एवं सम्पूर्ण न्यादर्श के साक्षात्कार के आलोक में यह प्रस्तावित किया जा सकता है कि महिला एवं पुरूष पुलिसकर्मियों के साधनात्मक सामाजिक समर्थन में सार्थक भिन्नता प्रदर्शित होती है |

**आगामी अनुसन्धान हेतु सुझाव** - प्रतिदर्श की संख्या बढ़ाकर और भी विश्वसनीय एवं वैध परिणाम प्राप्त किये जा सकते हैं | पुलिसकर्मियों की उम्र, सामाजिक–आर्थिक स्थिति, वर्ग ---- आदि के आधार शोध कार्य किये जा सकते हैं |

## सन्दर्भ -

1. सिंह श्वेता एवं अन्य (2019) उत्तर प्रदेश के पुलिसकर्मियों में तनाव मुकाबला, सामाजिक समर्थन और मानसिक स्वास्थ्य का एक अध्ययन
   इंडियन जर्नल ऑफ़ ऑक्यूपेशनल एंड एनवायरमेंट मेडिसीन
2. www.emarald .com, पुलिसिंग : एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ISSN: 1363-951 एक्स, आलेख प्रकाशन दिनाँक: 13 नवम्बर 2007
3. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ होम साइंस 2019, 5(2) (36-38) ISSN: 2395-7476
4. इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ़ सोशल साइंसेज (2013)